BACHELOR OF EDUCATION (B.Ed.)

Term-End Examination

June, 2021

BES-121 : CHILDHOOD AND GROWING UP

Time : 3 hours *Maximum Weightage : 70%*

Note : *All questions are* ***compulsory****. All questions carry equal weightage.*

1. Answer the following question in about 600 words :

Explain the concept of human development and its principles. Discuss the role of a teacher in facilitating appropriate development of children.

OR

Elaborate the definition of a child with different perspectives.

2. Answer the following question in about 600 words :

As a teacher, what perspectives about children have you developed, through their reflective journals, diaries and anecdotal records ?

OR

Elaborate the life skills needed by adolescents for dealing with issues and problems, citing suitable examples.

3. Answer any ***four*** of the following in about 150 words each :

(a) Differentiate between information-processing approach and developmental cognitive neuroscience approach.

(b) How does coping with stress and emotions help to manage oneself ? Illustrate with examples.

(c) Write a short note on United Nations Convention on the Rights of the Child (UNCRC).

(d) Describe the characteristics of life-span perspective of child development.

(e) Elaborate the implications for teachers in understanding the growing up experiences of children.

(f) What steps would you take to resolve conflicts in classroom ? Illustrate with an example.

4. Answer the following question in about 600 words :

In your school you might have identified some children chewing tobacco in your classroom. As a teacher, how would you deal with this case based on bio-ecological perspective ?

शिक्षाशास्त्र स्नातक (बी.एड.)

सत्रांत परीक्षा

जून, 2021

बी.ई.एस.-121 : बाल्यावस्था एवं विकास

समय : 3 घण्टे *अधिकतम भारिता : 75%*

नोट : *सभी प्रश्न **अनिवार्य** हैं । सभी प्रश्नों की भारिता समान है ।*

1. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
मानव विकास के सम्प्रत्यय तथा इसके सिद्धान्तों की व्याख्या कीजिए । बच्चों में उपयुक्त विकास में मदद करने हेतु एक शिक्षक की भूमिका की चर्चा कीजिए ।

अथवा

विविध परिप्रेक्ष्यों के साथ एक बच्चे की परिभाषा का उल्लेख कीजिए ।

2. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
एक शिक्षक के रूप में बच्चों के चिन्तन लेख (जर्नल), डायरी तथा उपाख्यानात्मक अभिलेख से आप बच्चों के प्रति कैसे परिप्रेक्ष्य विकसित करेंगे ?

अथवा

किशोरों के मुद्दों और समस्याओं से निपटने के लिए आवश्यक जीवन कौशलों का उचित उदाहरण देते हुए वर्णन कीजिए ।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं ***चार*** प्रश्नों के उत्तर लगभग 150 शब्दों (प्रत्येक) में दीजिए :

(क) सूचना प्रसंस्करण उपागम तथा विकासात्मक संज्ञानात्मक तंत्रिकाविज्ञान उपागम में अन्तर स्पष्ट कीजिए ।

(ख) स्व के प्रबन्धन में तनाव और संवेग से निपटना कैसे मदद करते हैं ? उदाहरण सहित स्पष्ट कीजिए ।

(ग) बाल अधिकार के संयुक्त-राष्ट्र सम्मेलन (कन्वेंशन) (यू.एन.सी.आर.सी.) पर एक संक्षिप्त टिप्पणी लिखिए ।

(घ) बाल विकास में जीवनकाल परिप्रेक्ष्य के अभिलक्षणों का वर्णन कीजिए ।

(ङ) बच्चों के विकासात्मक अनुभवों को समझने की अध्यापकों के लिए उपादेयताओं (निहितार्थों) का वर्णन कीजिए ।

(च) कक्षा में द्वन्द्वों के समाधान के लिए आप क्या कदम उठाएँगे ? एक उदाहरण की सहायता से वर्णन कीजिए ।

4. निम्नलिखित प्रश्न का उत्तर लगभग 600 शब्दों में दीजिए :
अपने विद्यालय में कक्षा में शायद आपने कुछ तम्बाकू चबाने वाले बच्चों की पहचान की होगी । जैव-पर्यावरणीय परिप्रेक्ष्य के आधार पर आप ऐसे उदाहरणों से एक अध्यापक के रूप में कैसे निपटेंगे ?